परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय-5, मुंबई

शैक्षणिक सत्र : 2025-26

कक्षा : दसवीं **विषय : हिन्दी** (द्वितीय भाषा)

अभ्यासपत्रक क्र. 1

पाठ का नाम : पाठ 1. पद

प्र.1 निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए | (1x5=5)

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी |
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नहिन मन अनुरागी |
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी |
ज्यों जल माहँ तेल की गगरि, बूँद न ताकौं लागी |
प्रीती-नदी मैं पाऊँ न बोरयो, दृष्टि न रूप परागी |
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी |

(1) प्रस्तुत काव्य-पंक्तियाँ कौन-किससे कह रहा है ?

(क) उद्धव गोपियों से (ग) गोपियाँ उद्धव से
(ख) उद्धव कृष्ण से (घ) गोपियाँ कृष्ण से

(2) 'सनेह तगा' से कौन अछूते हैं ?

(क) श्रीकृष्ण (ख) गोपियाँ (ग) उद्धव (घ) लोग

(3) गोपियाँ किसे बड़ा भाग्यवान बता रही हैं ?

(क) श्रीकृष्ण को (ख) गोपियाँ को (ग) उद्धव को (घ) लोगों को

(4) पद्यांश के अनुसार कमल के पत्ते की विशेषता है -

(क) वह जल के भीतर रहकर गीला नहीं होता | (ग) वह जल के भीतर सड़ जाता है |
(ख) वह जल के भीतर रहकर गीला होता है | (घ) वह जल को गंदा कर देता है |

(5) गोपियों ने अपने प्रेम की तुलना किससे की है ?

(क) मक्खियों से (ख) मच्छरों से (ग) तितलियों से (घ) चींटियों से

प्र.2 कविता के आधार पर निम्न बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर दीजिए | (1x5=5)

(1) पद्यांश के अनुसार गोपियाँ कैसी हैं ?

(क) सुंदर व सुशील (ख) बड़भागी (ग) अबला और भोली (घ) निर्दयी

(2) पद के रचनाकार का नाम क्या है ?

(क) तुलसीदास (ख) सूरदास (ग) पद्माकर (घ) देव

(3) गोपियों को क्या आशा थी ?

(क) वे श्रीकृष्ण से मिलने जाएंगी
(ख) वे उद्धव के मुख से संदेश सुनेंगी |
(ग) श्रीकृष्ण अपना वचन निभाकर मिलने आएंगे
(घ) वे घूमने जाएंगी |

(4) 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा पालन न करने की बात की जा रही है ?

(क) समय की मर्यादा (ख) घृणा की मर्यादा (ग) क्रोध की मर्यादा (घ) प्रेम की मर्यादा

(5) 'हारिल की लकड़ी' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(क) गोपियों के लिए (ख) श्रीकृष्ण के लिए (ग) उद्धव के लिए (घ) पक्षी के लिए

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए | (2x5=10)

(क) गोपियों ने उद्धव को बड़भागी क्यों कहा ?

(ख) 'जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी |' इस पंक्ति द्वारा गोपियों की किस मनः स्थिति का वर्णन किया गया है ?

(ग) गोपियों ने उद्धव के योग की हंसी कैसे उड़ाई ?

(घ) गोपियाँ यह क्यों कहती हैं कि श्रीकृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है ?

(च) गोपियाँ श्रीकृष्ण को राजा का क्या कर्तव्य याद दिलाती हैं ?

प्र.4 निम्न पक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए | (1x3=3)

(क) ज्यों जल माँह तेल की गगरि, बूँद न ताकौ लागी ||

(ख) प्रीती-नदी में पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी |
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यों पागी |

(ग) सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज़्यौं करुई ककरी |

प्र.5 रेखांकित शब्दों का पद-परिचय दीजिए | (1x2=2)

(क) हमारै हरि <u>हारिल</u> की <u>लकरी</u> |

(ख) <u>पुरइनि</u> <u>पात</u> रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी |

****